सक्सेस मिरर

सफलता का कैप्सूल

Visit us at : www.pdgroup.in

वर्ष : 14 | अंक : 162 | अक्टूबर : 2023

इस अंक में...

7 सम्पादकीय

8 समसामयिकी घटना संग्रह

9 समसामयिकी संक्षिप्तकियाँ

17 आर्थिक घटना संग्रह

- आरबीआई ने पारदर्शी होम लोन ईएमआई में पेश किए सुधार
- आरबीआई ने बढ़ाई यूपीआई लाइट पेमेंट की लिमिट
- एयर इंडिया ने अपना नया लोगो और डिजाइन जारी किया
- भारत ने 'ग्रीन' हाइड्रोजन स्टैण्डर्ड की घोषणा की

22 राष्ट्रीय घटना संग्रह

- भारत बना चंद्रमा पर सफलतापूर्वक उतरने वाला चौथा देश
- प्रधानमंत्री मोदी ने लाल किले से 77वें स्वतंत्रता दिवस पर किया सम्बोधित
- बिहार में गैंडों के संरक्षण के लिए 'राइनो टास्क फोर्स' गठित होगा

26 अन्तर्राष्ट्रीय घटना संग्रह

- इराक ट्रेकोमा खत्म करने वाला WHO द्वारा मान्यता प्राप्त 18वाँ देश बना
- नीदरलैण्ड की अर्थव्यवस्था में मंदी से बढ़ी मुश्किलें
- लुम्बिनी : बौद्ध धरोहर की दिशा में एक अहम् कदम

30 खेल खिलाड़ी

- क्रिकेट विश्व कप 2023 के लिए पुरुष और महिला शुभंकरों की घोषणा
- इगा स्वियाटेक ने जीता वारसॉ में WTA खिताब
- स्पेन ने जीता महिला फीफा विश्व कप का खिताब

33 समसामयिक वस्तुनिष्ठ प्रश्न

36 महत्वपूर्ण तथ्य संग्रह

लेख

39 **सामाजिक लेख**—भारतीय मध्यम वर्ग का संघर्ष कभी खत्म क्यों नहीं होता ?

40 **बहुभाषी शिक्षा लेख**—शिक्षा में बहुभाषावाद से सम्बन्धित लाभ और चुनौतियाँ

42 **स्वास्थ्य लेख**—साफ पानी की उचित मात्रा है शरीर के लिए लाभप्रद

43 **नवाचार लेख**—ग्रामीण उद्योग, उद्यमिता और अवसंरचना का बदलता स्वरूप

44 **प्रदूषण-नियंत्रण लेख**—प्लास्टिक थैलियाँ छोड़ अपनाएं पेपर बैग

विविध/सामान्य

75 **वर्षांत समीक्षा 2022**—विधायी विभाग

77 **प्रथम पुरस्कृत तार्किक प्रतियोगिता**

79 **तार्किक प्रतियोगिता क्रमांक-159 का परिणाम**

81 **रोजगार अवसर**

हल प्रश्न-पत्र

45 एस.एस.सी. कॉंस्टेबिल (जनरल ड्यूटी) भर्ती परीक्षा, 2023

52 राजस्थान डी.एल.एड. प्रवेश परीक्षा, 2021

मॉडल हल प्रश्न

70 आगामी बिहार पुलिस सिपाही भर्ती परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न

संस्थापक सम्पादक : स्व. श्री महेन्द्र जैन | सम्पादक : राहुल जैन | रजिस्टर्ड ऑफिस : 2/11ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा–2

ई-मेल : सम्पादकीय : publisher@pdgroup.in कस्टमर केयर : care@pdgroup.in

सम्पादकीय ऑफिस	: 1, स्टेट बैंक कॉलोनी, खन्दारी, आगरा-मथुरा बाईपास, **आगरा**–282 005	**फोन**–2531101, 2530966
दिल्ली ऑफिस	: 4845, अंसारी रोड, दरियागंज, **नई दिल्ली**–110 002	**फोन**–011-23251844, 43259035
पटना ऑफिस	: पारस भवन (प्रथम तल), खजांची रोड, **पटना**–800 004	**मो**–09334137572
हैदराबाद ऑफिस	: 16-11-23/37, मूसारामबाग, टीगन गुडा, आर.टी.ए. ऑफिस के सामने मेन रोड, (यूनियन बैंक के बगल में), **हैदराबाद**–500 036 (तेलंगाना)	**मो**–09391487283
हल्द्वानी ऑफिस	: 8-310/1, ए. के. हाउस, हीरानगर, **हल्द्वानी**, जिला–नैनीताल–263 139 (उत्तराखण्ड)	**मो**–07060421008

सर्वाधिकार सुरक्षित, प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के इस मैगजीन का कोई भी भाग न तो पुनरुत्पादित किया जाएगा और न किसी भी रूप में, जैसे–इलेक्ट्रॉनिक, मेकेनीकल, फोटोकॉपीइंग, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य प्रकार स्टोर किया जाएगा. हालांकि इस संस्करण में प्रकाशित सूचनाओं के सही होने का हरसम्भव प्रयास किया गया है, फिर भी न तो प्रकाशक व न अन्य कोई कर्मचारी किसी भी त्रुटि अथवा छूट के लिए उत्तरदायी होगा. अस्वीकृत रचनाओं को लेखकों को वापस भेजने के लिए उनके साथ स्वयं का पता लिखा हुआ लिफाफा मय उपयुक्त डाक टिकटों के प्राप्त होगा. रचना के देर से पहुँचने अथवा रास्ते में खो जाने की कोई जिम्मेदारी नहीं ली जाती. पत्रिका में लेखकों द्वारा प्रेषित बयानों, विचारधाराओं तथा प्रकाशित विज्ञापनों की कोई जिम्मेदारी **'सक्सेस मिरर'** की नहीं है.

सम्पादकीय

चाह के लिए राह बनाइए

जीवन का निर्माण तीन शक्तियों अथवा वृत्तियों द्वारा होता है–इच्छा (चाह), विचार और क्रिया. हमारे मन में किसी कार्य को सम्पन्न करने की, किसी वस्तु को प्राप्त करने की अथवा किसी लक्ष्य को प्राप्त करने की इच्छा अथवा चाह उत्पन्न होती है. विचारशक्ति द्वारा हम अपने लक्ष्य अथवा प्राप्तव्य को प्राप्त करने की योजना बनाते हैं और अपनी क्रिया शक्ति द्वारा उस योजना को कार्यान्वित करने का प्रयत्न करते हैं. इस त्रिविधि प्रक्रिया द्वारा विश्व के समस्त कार्यकलाप संचालित होते रहते हैं. समस्त कार्यकलापों एवं गतिविधियों के मूल में प्रेरक शक्ति के रूप में हमारी इच्छाशक्ति स्थित रहती है.

एक बार एक राज्य में वर्षा न होने के कारण अकाल पड़ गया. राजा अपने भण्डार में एकत्र खाद्य सामग्री को निःशुल्क वितरित कराना आरम्भ कर दिया.

किन्तु एक किसान ने निःशुल्क अन्न लेना अस्वीकार कर दिया और राज्य की सीमा पर स्थित एक तालाब से पानी ला-लाकर खेत को सींचना आरम्भ कर दिया. कुछ दिनों में तालाब का पानी समाप्त हो गया. किसान हताश नहीं हुआ. उसने नदी से पानी लाकर खेत की सिंचाई करने की योजना बनाई.

किसान और उसके परिवारीजन नदी से पानी भरकर लाते रहे. अन्ततः वर्षा हो गई.

राजा ने किसान को बुलवाया, उसकी प्रशंसा की और उसको पुरस्कृत करते हुए कहा–किसी ने ठीक ही कहा है–जहाँ चाह है, वहाँ राह है. परमात्मा ने हमको इच्छा-शक्ति का वरदान दिया है. फलतः हम स्वतन्त्र रूप से निर्णय करने के लिए तथा इच्छित रूप में पुरुषार्थ करने के लिए स्वतन्त्र हैं. प्रकृति भी चाहती है कि हम प्रत्येक अवसर पर, विशेषकर किसी समस्या के उत्पन्न होने पर, अपनी इच्छाशक्ति की सहायता से अपना मार्ग निर्धारित करने का प्रयास करें.

दक्षिण अफ़्रीका में निवास करते हुए एक दिन मोहनदास कर्मचन्द गांधी को एक गोरे व्यक्ति के हाथों अपमानित होना पड़ा था, क्योंकि वह एक गुलाम देश के निवासी थे. बस, उसी क्षण उन्होंने यह तय कर लिया था कि मैं अपने देश को स्वतन्त्र करने का प्रयत्न करूँगा और अपने मस्तक पर लगे हुए गुलामी के कलंक को मिटाकर रहूँगा.

गांधीजी की चाह प्रबल थी. उन्होंने अहिंसात्मक संघर्ष करने का मार्ग निर्धारित किया और अपने उद्देश्य में सफल हुए. दृढ़ इच्छाशक्ति द्वारा कठिन-से-कठिन कार्य करने के, विकटतम समस्याओं के समाधान के उदाहरणों से इतिहास के पन्ने भरे पड़े हैं. मध्यकाल में महाराणा प्रताप तथा छत्रपति शिवाजी की अदम्य चाह द्वारा निकलने वाली राहों की कहानियों से हमारे देश का बच्चा-बच्चा परिचित है. चाणक्य ने एक साधारण ब्राह्मण होते हुए भी चन्द्रगुप्त की सहायता से विराट मगध साम्राज्य के शासक नन्द का समूल नाश कर दिया था. सम्राट् नन्द द्वारा बन्दी बनाए गए शकटार ने अपने हाथों के नाखूनों की सहायता से जमीन खोदकर सुरंग तैयार की थी और वह बन्दीगृह के बाहर निकल आया था.